मनोज मिश्र
अतिरिक्त अध्यक्ष, भा.ना.अ./
सचिव, संस्कृति विभाग,
उ0प्र0 शासन

रमेश चन्द्र गुप्ता
निदेशक, भा0ना0अ0

रंगमण्डल का परिचय

हिन्दी भाषी प्रदेशों में नाट्य कला के विभिन्न पक्षों में गहन व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले एक मात्र संस्थान, भारतेन्दु नाट्य अकादमी के अंतर्गत एक **रंगमण्डल** की स्थापना की गई जो प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों एवं प्रतिभावान कलाकारों को व्यवसायिक रंगमंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन का सुअवसर प्रदान करता है।

यह रंगमण्डल उत्तर प्रदेश शासन द्वारा **वर्ष 1988** में स्थापित किया गया था। रंगमण्डल नाट्य कला के संरक्षण, संवर्द्धन तथा प्रचार–प्रसार के उद्देश्यों की पूर्ति को पूरा करता आ रहा है। रंगमण्डल में **पद्मश्री राज बिसारिया, स्व0 बी0एम0 शाह, भानू भारती, फ्रिट्ज बेनेविट्ज़, रवि केम्मू, हेमेन्द्र भाटिया, चित्रा मोहन, जुगल किशोर, अलख नन्दन, सतीश आनन्द, सुशील कुमार सिंह, लोकेन्द्र त्रिवेदी, योगेश पन्त** आदि देश विदेश के ख्याति प्राप्त नाट्य निर्देशकों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी जिसमें कुछ प्रमुख नाम हैं – **जूलियस सीज़र चन्द्रमा सिंह चमकू, एक किसान की कहानी, कंजूस, अलीबाबा, गैलीलियो, अलख आज़ादी की, उरूभंगम्, मातादीन चांद पर, सबके हिस्से सुख आये, मोर फैलाये पंख, सद्गति, भारतेन्दु व्यथा कही न जाये, मेरी याद मरने के बाद (यादें लोहिया), ये दुनिया अगर मिल भी जाये, रिफ़लेक्शन्स अन्नोन, राजदरबार, दद्दा की चादर, स्मृति शकुन्तला,** एवं **अमृत रंग** जैसी प्रस्तुतियों का मंचन किया गया।

रंगमण्डल अपनी नियमित प्रस्तुतियों के अतिरिक्त **अल्पकालिक अभिनय प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन** भी समय–समय पर करता है, जिसमें गैर व्यवसायिक कला प्रमियों को आधारभूत प्रशिक्षण देकर उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने हेतु एक सुगठित मंच प्रदान करता है।